आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–17 जुलाई 2024 सान्ध्य समाचार

बुंदेलखंड में सुनियोजित और सतत विकास को लेकर एक तरफ 36 हजार एकड़ भू–क्षेत्र में नया औद्योगिक शहर बसाने के लिए शासन की कवायद जारी है। वहीं, दूसरी तरफ प्रदेश के सबसे लंबे सोलर पार्क को भी बुंदेलखंड एक्सप्रेस–वे के दोनों किनारों पर विकसित करने की कवायद शुरू हो गई है। करीब 1700 हेक्टेयर में बुंदेलखंड एक्सप्रेस–वे के किनारे इस सोलर पार्क को विकसित किया जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार यूपीडा के पास जमीन उपलब्ध है। यह भूमि इटावा से चित्रकूट तक 296 किलोमीटर लंबे बुंदेलखंड एक्सप्रेस–वे के मुख्य कैरिज वे और सर्विस रोड के बीच की है। मुख्य कैरिज वे और सर्विस रोड के बीच उपलब्ध भूमि की औसत चौड़ाई 15–20 मीटर है। यहीं पर सोलर पार्क को निर्मित किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं इस प्रोजेक्ट को लेकर तत्पर हैं। बुंदेलखंड एक्सप्रेस–वे के दोनों किनारों पर विकसित होने वाले सोलर पार्क से 450 किलोमेगावाट ऊर्जा का उत्पादन हो सकेगा, जो करीब 1 लाख उपभोक्ताओं की आवश्यकता को पूरा कर सकेगा।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज प्रदेश की 10 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव को लेकर अपने सरकारी आवास पर मंत्रियों के साथ बैठक की। मुख्यमंत्री ने सभी मंत्रियों को सप्ताह में दो दिन अपने प्रभार वाले जिलों में प्रवास करने के लिए कहा है। इसके साथ ही एक विधानसभा सीट की जिम्मेदारी संबंधित जिले के प्रभारी मंत्रियों के साथ एक से दो मंत्रियों को सौंपी है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि प्रभारी मंत्री कार्यकर्ताओं से बात करने पर फोकस करें। हर बूथ को मजबूत किया जाए।

****

प्रदेश के 16 जनपदों में बाढ़ का कहर जारी है। लगातार बारिश और बांधों से पानी छोड़े जाने की वजह से इन जनपदों में रहने वाली छह लाख से अधिक की आबादी का जीवन बाढ़ की वजह से अस्त व्यस्त हो गया है। डेढ़ लाख हेक्टेयर से अधिक की खेती भी बाढ़ में डूब गई है। प्रदेश के लखीमपुर, कुशीनगर, बलरामपुर, शाहजहांपुर, हरदोई, अयोध्या, बहराइच, गोरखपुर, सिद्धार्थनगर, बलिया, बदांयू, देवरिया, उन्नाव, फरूर्खाबाद, बरेली और बाराबंकी के कई गांव बाढ़ से प्रभावित हैं। राहत आयुक्त कार्यलय से मिली जानकारी के अनुसार बाढ प्रभावित क्षेत्रो में पंद्रह कंपनी एनडीआरएफ, सोलह कंपनी एसडीआरएफ और इक्तीस कंपनी पीएसी फल्ड बटालियन तैनात की गयी है। लोगों को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से निकालकर सुरक्षित स्थान पर भेजा रहा है। साथ ही जिला प्रशासन द्वारा राहत सामग्री का वितरण किया जा रहा है।

****

देवशयनी एकादशी का पर्व आज श्रद्धा और भक्ति के माहौल में पूरे प्रदेश में मनाया जा रहा है। वाराणसी में भी पर्व को लेकर उत्साह का माहौल है। प्रस्तुत है हमारे प्रतिनिधि की एक रिपोर्टः

आज देवशयनी एकादशी है। धर्म की नगरी काशी में देवशयनी एकादशी का काफी महत्व है। मान्यता के अनुसार जब भगवान विष्णु चार मास के लिए योग निद्रा में चले जाते हैं. तब इस अवधि को चातुर्मास कहा जाता है. देवशयनी एकादशी के दिन चातुर्मास प्रारंभ हो जाता है।इस दौरान चार महीने तक सनातन धर्म में मांगलिक कार्य प्रतिबंधित हो जाते हैं।इसका समापन 12 नवंबर को देवउठनी एकादशी के साथ समाप्त होगा। मान्यता के मुताबिक इस दिन श्री हरि की उपासना करने से जीवन में धन वैभव की प्राप्ति होती है। वाराणसी के गंगा घाटों पर भी लोगों ने बढ़ते जल स्तरको ध्यान में रखते हुए घाटकिनारे ही गंगा स्नान कर दान किया। मनीष सिंह आकाशवाणी

****

प्रदेश भर में मोहर्रम का त्योहार आज मनाया जा रहा है। हर कर्बला के बाद मोहर्रम के महीने में इमाम हुसैन को याद करते हुए इस्लाम में यह पर्व मनाया जाता है। इसके अंतर्गत सभी जनपदों में जिला मुख्यालय सहित विभिन्न क्षेत्रों में ताजिया बनाकर जुलूस निकाला जा रहा है।

इस क्रम में राम नगरी अयोध्या में भी मोहर्रम के दसवें दिन शहर के बड़ी बुआ स्थित कर्बला में ताजिए दफन किए जा रहे है। शहर के जितने भी अंजुमन है, वे सभी जुलूस निकालकर कर्बला पर पहुंच रहे है। जिला प्रशासन ने जुलूस व कर्बला में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। उधर, आंबेडकरनगर, गोरखपुर, देवरिया, महाराजगंज, वाराणसी, बदायूं, फरूर्खाबाद, अमरोहा, समेत विभिन्न जनपदों में मोहर्रम का पर्व मनाया जा रहा है।

****

वाराणसी के अहिल्याबाई घाट पर आज सुबह गंगा में स्नान करने आए दो युवकों की डूबने से मौत हो गई। जबकि उनके साथ आए दो अन्य युवकों को अचेत अवस्था में बाहर निकाल लिया गया। चारों युवक गहराई में साथ–साथ नहा रहे थे कि अचानक नदी के तेज प्रवाह में बहने लगे। कड़ी मशक्कत के बाद दो युवकों को अचेत अवस्था में पानी से बाहर निकाला गया। वहीं एक घंटे की तलाश के बाद दो अन्य युवकों का शव गंगा से बरामद कर लिया गया।

****